<u>पाठ-48</u>

युद्ध

इफिसियों 6:10-20

जब आप मसीही बने, तो चार बातें घटित हुईं। सबसे पहले, आपको परमेश्वर के साथ एक नए रिश्ते में लाया गया जिसमें आपके पापों को क्षमा कर दिया गया और आपकी निंदा हटा दी गई। दूसरा, आप एक नई रचना बन गए जब परमेश्वर के पवित्र आत्मा ने आपके जीवन में प्रवेश किया। तीसरा, परमेश्वर की संतान होने के नाते, आप उनके परिवार, अर्थात कलीसिया का हिस्सा बन गये। और चौथा, आपने एक शत्रु का ध्यान आकर्षित किया, जिसका निर्धारित उद्देश्य परमेश्वर के कार्य का विरोध करना और उसे नष्ट करना है। अतः मसीही बनना एक युद्ध में शामिल होना है।

"हमारा यह मल्लयुद्ध लहू और मांस से नहीं" (इफिसियों 6:12)। आपका प्राथमिक युद्ध लोगों से नहीं है। हो सकता है कि ऐसे लोग हों जो आपके जीवन में दर्द लेकर आएं, परन्तु वे शत्रु नहीं हैं। वे शत्रु के शिकार हैं।

आपके विवाह में सबसे बड़ी समस्या आपका जीवनसाथी नहीं है, और न ही आप स्वयं हैं। आपके विवाह में सबसे बड़ी समस्या वह अदृश्य शत्रु है जो इसे नष्ट करना चाहता है।

आपके लिए सबसे बड़ा खतरा उन घावों से नहीं है जो आपने झेले हैं, उन पराजयों से नहीं है जो आपने सही हैं, या उन अन्यायों से नहीं हैं जिनका आपने सामना किया है। यह अदृश्य शत्रु है जो आपको नष्ट करने के लिए इन चीजों का उपयोग करना चाहता है।

आपके युद्ध का पहला उद्देश्य खड़ा रहना है। पौलुस ने '*खड़े रहो*' शब्द का प्रयोग चार बार किया है:

> ***परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।*** **(इफिसियों 6:11)**
>
> ***परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।*** **(इफिसियों 6:13)**

सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मिकता की झिलम पहिन कर स्थिर रहो। (इफिसियों 6:14)

जब बुराई का दिन आता है - जब युद्ध सबसे तीव्र होता है - परमेश्वर आपको एक चीज़ के लिए बुलाते हैं: इसका उद्देश्य सबसे शानदार गवाही देना या अभूतपूर्व प्रगति करना नहीं है। बात बस इतनी है कि जब आप युद्ध की सबसे तीव्र तपिश का सामना करेंगे, तो आप खड़े रहेंगे।

इसलिए इसे अपना लक्ष्य बनाइए: बस अपनी स्थिति बनाए रखना और अपनी जगह पर *खड़े* रहना। दृढ़ रहें, अविचल रहें। और हार न मानें!

हमें युद्ध में कैसे खड़ा होना है? हमें परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लेने चाहिए (6:11)।

1. सत्य पर खड़े रहो

परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको। (इफिसियों 6:11)

पौलुस यहाँ बाइबल की सच्चाई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह बात बाद में आती है, जब वे "आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है" (6:17) के बारे में बोलते हैं। यहाँ वे स्पष्टवादिता, ईमानदारी, वास्तविकता का सामना करने या जिस स्थिति में आप हैं, उसकी सच्चाई के बारे में बात कर रहे हैं। सत्य का पट्टा वही है जिसके बारे में दाऊद ने कहा था, "देख, तू हृदय की सच्चाई से प्रसन्न होता है," (भजन संहिता 51:6)।

जब आप अपने आप को युद्ध की तपिश में पाते हैं, तो आपका शुरुआती बिंदु हमेशा यह स्थापित करना होना चाहिए कि सत्य क्या है। आप अक्सर पाएंगे कि परमेश्वर पवित्रशास्त्र के माध्यम से आपके ध्यान में सत्य लाते हैं। बाइबल को दर्पण की तरह प्रयोग करें। अपने करीबी मित्रों और बुद्धिमान सलाहकारों की बात सुनना सीखें जो आपके जीवन में सच्चाई लाएंगे। जो लोग आपकी स्थिति को जानते हैं, उन्हें वह सत्य बताने का मौका दें जो आपसे चूक गया हो।

यदि आप युद्ध की तपिश में किसी की मदद करना चाहते हैं, तो आपको यहीं से शुरुआत करनी होगी। इस स्थिति की सच्चाई क्या है? यहाँ वास्तविकता क्या है? आप जो योगदान दे सकते हैं वह अक्सर कुछ ऐसा हो सकता है जिसे आप देख सकते हैं, परन्तु जिसे वह व्यक्ति अभी तक समझ नहीं पाया है।

बुद्धिमानी भरी सलाह किसी स्थिति की सच्चाई को सही तरह से समझने से शुरू होती है, यही वजह है कि याकूब कहता है कि हमें सुनने में तत्पर और "बोलने में धीमा" होना चाहिए (याकूब 1:19)।

हमें सत्य की कमर कसने की आवश्यकता है, क्योंकि अप्रभावी मसीही बनने का सबसे तेज़ तरीका है, बिना जांचे-परखे उथले जीवन में जीना।

2. धार्मिकता में खड़े रहो

***सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मिकता की झिलम पहिन कर स्थिर रहो।* (इफिसियों 6:14)**

धार्मिकता का कवच मसीह की धार्मिकता को संदर्भित नहीं करता है, जो तब हमारी धार्मिकता मानी जाती है जब हम विश्वास में उनके पास आते हैं। पौलुस उन लोगों को लिख रहे हैं जो मसीह में हैं। येशु की धार्मिकता पहले से ही आपकी है। जब मसीह की धार्मिकता आपकी मानी जाती है और जब आप इसे पहने हुए हैं, तो आपको इसे हर दिन पहनने की ज़रूरत नहीं है।

यहाँ पौलुस हमारे प्रतिदिन सही काम करने के चुनाव की बात कर रहे हैं। युद्ध में खड़े रहने का एकमात्र तरीका यह निर्धारित करना है कि परमेश्वर के सामने क्या सही है और उसे करना है - चाहे इसकी कोई भी कीमत क्यों न हो।

सत्य की पेटी और धार्मिकता का कवच इस सूची में सबसे ऊपर हैं, क्योंकि किसी भी संघर्ष में पूछे जाने वाले पहले प्रश्न हैं "सत्य क्या है?" और "सही क्या है?" एक पिता अपनी बेटी से कहता है कि उसे आधी रात तक घर आ जाना चाहिए। जब वह रात के 2 बजे घर पहुँचती है, तो वह उसे डांटने के लिए तैयार होता है। परन्तु पहले उसे यह पता लगाना होगा कि सच क्या है। हो सकता है कि उसने पिता के निर्धारित समय का उल्लंघन किया हो, परन्तु यह भी हो सकता है कि उसकी गाड़ी खराब हो गई हो। अगर वह सच जानने के लिए समय निकाले, तो वह सही बात को पहचान पाएगा। यह सिद्धांत किसी भी संघर्ष की स्थिति में लागू होता है।

3. सुसमाचार में खड़े रहो

***और पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहिन कर स्थिर रहो।* (इफिसियों 6:15)**

शत्रु की एक चाल यह है कि वह हमारे स्वाभाविक आराम की चाह का इस्तेमाल करके हमें परमेश्वर की आज्ञाकारिता में आगे बढ़ने से रोकता है। इस योजना के विरुद्ध खड़े होने का तरीका

सुसमाचार के जूते पहनना है। जूते चलने-फिरने के लिए होते हैं और इन जूतों को पहनने का अर्थ यह है कि आप दूसरों के साथ सुसमाचार साझा करने के बारे में जान बूझ कर प्रयास कर रहे हैं।

ध्यान दें कि सुसमाचार को शांति के सुसमाचार के रूप में वर्णित किया गया है। यहाँ बताया गया है कि जब आपके आस-पास सब कुछ उग्र हो रहा हो, तब आप कैसे सहन कर सकते हैं: यीशु का शुभ समाचार यह है कि उन्होंने क्रूस पर अपना लहू बहाकर शांति स्थापित की है; कि उनमे, आपको परमेश्वर के साथ शांति प्राप्त है, भले ही आपके पाप बहुत हैं और आपका जीवन उससे बहुत दूर है जैसा आप चाहते हैं। इसलिए इस ज्ञान में स्थिर रहे कि मसीह के द्वारा आपको परमेश्वर के साथ शांति प्राप्त है।

4. विश्वास में खड़े रहो

इन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको। **(इफिसियों 6:16)**

क्या आपने कभी अपने मन में विनाशकारी विचार, घृणा से भरे विचार, या यहाँ तक कि परमेश्वर की निंदा करने वाले विचार आने का अनुभव किया है? जब वे आते है तो आपको शर्म महसूस होती है, और आप कहते हैं, “मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं ये बातें सोच रहा था।”

वास्तव में, ये आप नहीं हैं जो ये बातें सोच रहे हैं। ये दुष्ट के जलते हुए तीर हैं। ये विचार बाहर से आते हैं, भीतर से नहीं, और आप जानते हैं कि ये विचार बाहर से आते हैं क्योंकि जब वे आते हैं तो आप उनसे घृणा करते हैं।

आप इन तीरों का सामना कैसे करेंगे? विश्वास की ढाल उठाएँ। विश्वास यह मानता है कि परमेश्वर आपके लिए है और वह उन सभी चीज़ों से बड़ा है जो आपके विरुद्ध खड़ी हैं।

रोमन सैनिक दो अलग-अलग ढालों से अपनी रक्षा करते थे। हाथ से हाथ की लड़ाई में बांह पर पहनी जाने वाली एक छोटी, गोल ढाल का उपयोग किया जाता था, परन्तु यह ज्वलंत तीरों की बौछार से सुरक्षा प्रदान नहीं करती थी।

यहाँ दी गई तस्वीर एक बड़ी, आयताकार ढाल की है, जो चार फीट ऊँची और दो फीट चौड़ी है, जो पुलिस दंगा ढाल जैसी है। रोमनों ने फालानक्स (एक प्रकार का दल) का विचार विकसित किया, जिसमें सैनिकों का एक छोटा समूह एक साथ खड़ा होता था, तथा अपनी ढालों को व्यवस्थित करके पूरे समूह के चारों ओर एक सुरक्षा कवच बनाता था, बिल्कुल कछुए के खोल की तरह।

शैतान चाहता है कि आप युद्ध में अलग-थलग पड़ जाएँ। वह चाहेगा कि आप अपने मन और अपने घर में उन हमलों के खिलाफ अकेले लड़ें जिनके बारे में कोई और नहीं जानता। परन्तु परमेश्वर ने कभी नहीं चाहा कि आप अकेले लड़ें। अपने संघर्ष को किसी ऐसे व्यक्ति के साथ साझा करें जिस पर आपको भरोसा हो और जो आपके साथ खड़ा होगा। विश्वास की ढाल ले लो और अन्य विश्वासियों के साथ इसकी सुरक्षा कवच के नीचे स्वयं को बांध लो।

5. आशा में खड़े रहो

उद्धार का टोप ले लो। **(इफिसियों 6:17)**

यदि आपको जीवन भर यीशु मसीह की उपयोगी सेवा जारी रखनी है, तो आपको निराशा पर काबू पाना होगा। ऐसे समय आएंगे जब आपके कार्य के परिणाम निराशाजनक होंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि आपकी प्रार्थनाओं का उत्तर आपकी आशा के अनुसार नहीं मिलेगा, तथा आप स्वयं को ऐसी समस्याओं का सामना करते हुए पाएंगे जिनका कोई स्पष्ट उत्तर नहीं है। थकान के कारण आपका निर्णय प्रभावित होगा और आप निराश होने लगेंगे।

बाइबल उद्धार के बारे में भूत, वर्तमान और भविष्य काल में बात करती है। और जब पौलुस उद्धार के टोप के बारे में लिखते हैं, तो वे भविष्य में उद्धार की आशा का उल्लेख कर रहे हैं (1 थिस्सलुनीकियों 5:8)।

पौलुस ने अपने कष्टों को उस महिमा के साथ जोड़ा जो अंततः प्रकट होने वाली थी, और निष्कर्ष निकाला कि युद्ध में बने रहने की कीमत चुकाना उचित था। "क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है; और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं; क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती हैं" (2 कुरिन्थियों 4:17-18)।

यदि आप युद्ध से थक गए हैं, तो अपनी आँखें आगे छिपी आशा पर केंद्रित रखें।

6. परमेश्वर के वचन में खड़े रहो

उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो। **(इफिसियों 6:17)**

यहाँ बाइबल को आत्मा की तलवार के रूप में वर्णित किया गया है। दूसरे शब्दों में, पवित्रशास्त्र वह साधन है जिसका उपयोग पवित्र आत्मा अपने कार्य को पूरा करने के लिए करता है। परमेश्वर के

वचन को अपने जीवन में धीरे-धीरे भरें, और पवित्र आत्मा की शक्ति से आप अपने स्थान पर खड़े रह सकेंगे।

और याद रखें कि जो कवच आप पहनते हैं वह *परमेश्वर* का कवच है। वे आपको यह कवच देते हैं। जो सत्य आपको थामे रखता है, वह वही सत्य है जिसे वे प्रकट करते हैं। जो धार्मिकता आपको ढकती है वह वही धार्मिकता है जो वे देते हैं। जिस सुसमाचार पर आप खड़े हैं वह उनका सुसमाचार है। जो विश्वास आपकी रक्षा करता है वह उन पर भरोसा करना है। जो आशा आपको बनाए रखती है वह उनके उद्धार की प्रत्याशा है। वे आपको जो सामर्थ्य देते हैं वह उनके वचन की शक्ति के माध्यम से आता है।

परमेश्वर का शुक्र है कि यहाँ अधिक प्रयास करने की बुलाहट से भी अधिक कुछ है। युद्ध में प्रभु आपके साथ हैं। आप सफल हो सकते हैं क्योंकि आपका उद्धारकर्ता आपके साथ है! "इसलिये प्रभु में और उसकी शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो" (इफिसियों 6:10)।

जब आपके चारों ओर युद्ध छिड़ा हुआ है तो आप कैसे खड़े होते हैं? सत्य का सामना करें। जो सही है वही करें। सुसमाचार की शांति में विश्राम करें। अन्य विश्वासियों के साथ विश्वास का अभ्यास करें। अपने भविष्य के उद्धार के आनन्द की आशा करें। परमेश्वर के वचन के माध्यम से आत्मा के सामर्थ्य में आगे बढ़ें।

प्रश्न

परमेश्वर के वचन के साथ आगे जुड़ने के लिए इन प्रश्नों का उपयोग करें। उन पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ चर्चा करें या उन्हें व्यक्तिगत प्रतिबिंब प्रश्नों के रूप में उपयोग करें।

1- **इस समय आपके लिए सबसे तीव्र युद्ध कहाँ है?**

2- **वे कौन लोग हैं जो आपके जीवन के इन युद्धों में आपके साथ खड़े रहे हैं? उन्होंने आपकी किस प्रकार सहायता की है?**

3- **अपने युद्ध में और अधिक मजबूती से खड़े रहने के लिए आप कौन सा एक कदम उठा सकते हैं?**

4- **"किसी भी संघर्ष में पूछे जाने वाले पहले प्रश्न हैं 'सत्य क्या है?' और 'सही क्या है?'" यह आपके सामने आने वाले संघर्ष में आपकी कैसे मदद कर सकता है?**

5- **इस सत्र में किस बात ने आपको अपने युद्ध को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया?**